

जैविक सब्जी उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित किया

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर द्वारा आज ग्राम भवनपुर, विकासखण्ड रसूलाबाद, जनपद कानपुर देहात में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत जहर मुक्त सब्जी फसल उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया की सब्जी उत्पादन के लिए मृदा का पीएच मान 6.5 से 7.5 उत्तम रहता है तथा मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा 0.5 ल तक से अधिक होनी चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह दी की सब्जी फसलों में रासायनिक कीटनाशकों एवं उर्वरकों का कम से कम प्रयोग करें जिससे मानव शरीर पर हानिकारक प्रभाव न हो। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि किचन गार्डन बनाकर वैज्ञानिक तरीके से सब्जियों की फसलें उगाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर का कामकाज करने के साथ-साथ अपने घर की छतों पर बिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की खेती कर सकती हैं। तथा सब्जी उत्पादन का कार्य सफलतापूर्वक किया जा सकता



है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सब्जियों के परिरक्षण तथा मूल्य संवर्धन कर अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से सब्जी उत्पादन कर निश्चित तौर पर वे समृद्धि हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर लगातार किसानों को प्रशिक्षित कर रहा है। उन्होंने किसानों को

प्लास्टिक मल्टिवंग, पॉलीटनल विधि से सब्जी पौध तैयार करने की विधि भी बताई और कहा कि निश्चित तौर पर उनकी आमदानी दोगुनी हो सकती है। वही प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने टमाटर, बिर्च, बैंगन, प्याज आदि वैज्ञानिक पद्धति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से कहा कि अगर सामूहिक रूप से सब्जी की फसल

उत्पादित की जाए तो निश्चित तौर पर उनकी आय में वृद्धि होगी और उनके फसलों का बुकसान भी कम होगा। इस अवसर पर डॉक्टर सुशील कुमार यादव ने कार्यक्रम की विस्तार से लपरेखा रखी। इस कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज की टीम ने किसानों को रक्त नमूना भी एकत्रित किए। इस अवसर पर 50 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जैविक सब्जी उत्पादन हेतु कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को किया प्रेरित

कानपुर। बीदीखोला आवाद कृषि एवं वैज्ञानिकों विश्वविद्यालय कानपुर के भूमीन संचालित कृषि विभाग केंद्र इलाय नगर कानपुर द्वारा आवाद घाम भवनपुर, विकासखान्ड रसूलाबाद, जनशह कानपुर देहात में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत जहार गुरु सब्जी फसल उत्पादन विधव घर प्रतिक्रिया दिया गया। प्रतिक्रिया वर्षांक्रम में मृदा वैज्ञानिक वैज्ञानिकों द्वारा ज्ञान ने बताया गये सब्जी उत्पादन के लिए मृदा का प्रीएक्स मात्र 6.5 से 7.5 डल्टम रहता है तथा मृदा में जीवाणु कठारिंग की मात्रा 0.5 प्रतिलात से अधिक होनी चाहिए। उन्होंने किसानों को मालाह दी गई सब्जी फसलों में रासायनिक लीटानालाको दूर कराएँगे कि जब जम में कम प्रयोग हों। जिससे मालाह करीर घर हार्गिकरण का प्रभाव न हो। इस अवसर पर उन्होंने



उपस्थित महिलाओं से कहा कि किसान गाहंग बाबाकर वैज्ञानिक लीटानों से संबिलियों की फसलें ऊर्ध्व जा सकती है।

उन्होंने कहा कि महिलाएं घर जब कामकाज करते हैं सहज-सहज अपने

घर वहे लहों पर मिर्च, टमाटर, बैनन आदि वही सेती कर सकती हैं। तथा सब्जी उत्पादन घर कार्य सकालतामूर्तीक दिल्ल जह सकता है। उत्पादन वैज्ञानिक वैज्ञानिक विधव घर मालाह कराएँगे जिसके लिए कृषि विभाग केंद्र दिल्लीकरण एवं विकास विभागों को प्रशिद्धि कर रहा

है। उन्होंने किसानों को ज्ञानिक बलिंग, योगीटनस विधि से सब्जी वैध नियंत्र करने की विधि भी बताई और कहा कि नियंत्रित तीर पर उनकी आगमनी दोगुनी हो सकती है। वही प्रत्यक्ष वैज्ञानिक दौर यिनीद इकाइ ने टक्कर, मिर्च, बैगन, घजब आदि वैज्ञानिक पद्धति के लाए में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से कहा कि अगर मामूलिक रूप में सब्जी वही फसल उत्पादित वही जाए तो नियंत्रित तीर पर उनकी आग में गृह्ण होगी और उनके फसलों वह नुकसान भी कम होगा। इस अवसर पर लॉकडाउन मूलील जुमर वादल ने जारीकरण वही विस्तार में कामरेहा रखी। इस जारीकरण में मेहिलाल वहीलोज की टीम ने किसानों को रक्त नमूदा भी एवं जित किए। इस अवसर पर 50 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समाज का प्रिय वर्षा (लूटा) 12/10/2022

अमर उजाला 12/10/2022

घर में उगाएं जैविक सब्जियां

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से मंगलवार को भवनपुर गांव में जहर मुक्त सब्जी फसल उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि महिलाएं किचन गार्डेन बनाकर वैज्ञानिक तरीके से घर पर जैविक सब्जियां उगा सकती हैं। घर की छतों पर मिर्च, टमाटर, बैंगन, धनिया, लौकी, भिंडी और तरोई आदि को उगाया जा सकता है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सब्जियों का मूल्य संवर्धन कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। इस मौके पर डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ. सुशील कुमार यादव आदि मौजूद रहे। (संवाद)

जैविक सब्जी उत्पादन को वैज्ञानिकों ने किसानों को किया प्रेरित

कानपुर, 11 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर द्वारा आज ग्राम भवनपुर, विकासखंड रसूलाबाद, जनपद कानपुर देहात में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत जहर मुक्त सब्जी फसल उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया की सब्जी उत्पादन के लिए मृदा का पीएच मान 6.5 से 7.5 उत्तम रहता है तथा मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा 0.5 ल त्र से अधिक होनी चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह दी की सब्जी फसलों में रासायनिक कीटनाशकों एवं उर्वरकों का कम से कम प्रयोग करें। जिससे मानव शरीर पर हानिकारक प्रभाव न हो। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि किचन गार्डन बनाकर वैज्ञानिक तरीके से सब्जियों की फसलें उगाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर का कामकाज करने के साथ-साथ अपने घर की छतों पर मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की खेती कर सकती हैं।